Sl.No. :

नामांक Roll No.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | |

No. of Questions – 20

No. of Printed Pages – 11

**P–01–Hindi(Supp.)**

# प्रवेशिका पूरक परीक्षा, 2024

# PRAVESHIKA SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2024

## हिंदी

**समय** : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

**पूर्णांक** : 40

**परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :**

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

## खण्ड – अ

प्र.1) निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए : [12 × ½ = 6]

1) 'रंगीला' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है । [½]

अ) गीला ब) ईला

स) रंग द) ला

2) 'अत्यधिक' शब्द का सही सन्धि विच्छेद है । [½]

अ) अति + अधिक ब) अ + त्यधिक

स) अत्य + धिक द) अत्यधि + क

3) 'राम – लक्ष्मण – परशुराम संवाद' अंश के रचयिता हैं । [½]

अ) कबीरदास ब) सूरदास

स) तुलसीदास द) बिहारी

4) उद्धव की योग साधना को गोपियों ने किसके समान बताया है? [½]

अ) कड़वी ककड़ी ब) भ्रमरगीत

स) राजनीति द) ज्ञान

5) 'उत्साह' कविता में कवि ने किसे संबोधित किया है? [½]

अ) बादल को ब) फागुन को

स) पृथ्वी को द) फसल को

6) मंगलेश डबराल का जन्म हुआ था । [½]

अ) राजस्थान ब) पंजाब

स) गढ़वाल द) मुंबई

7) नेताजी की मूर्ति में क्या बात थी जो खटकती थी? [½]

अ) नेताजी की आँखो में चमक नहीं थी　ब) चश्मा संगमरमर का था

स) चश्मा सुन्दर नहीं था　द) चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था

8) 'झूठा–सच' उपन्यास के लेखक हैं। [½]

अ) यशपाल　ब) मन्नू भण्डारी

स) जयशंकर प्रसाद　द) नागार्जुन

9) बिस्मिल्ला खाँ का बचपन का नाम क्या था? [½]

अ) मिट्ठन खाँ　ब) डुमराँव

स) हुसैन खाँ　द) अमीरुद्दीन

10) सभ्यता है – [½]

अ) संस्कृति का परिणाम　ब) ज्ञानेप्सा

स) आविष्कार　द) विभाजन

11) 'माता का अँचल' किस उपन्यास का अंश है? [½]

अ) देहाती दुनिया　ब) जॉर्ज पंचम की नाक

स) साना–साना हाथ जोड़ि　द) मैं क्यों लिखता हूँ?

12) 'गंतोक' का मतलब है – [½]

अ) नदी　ब) झरने

स) पहाड़　द) गंदा

**प्र.2)** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :– **[6 × ½ = 3]**

1) जिस सर्वनाम का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए होता है, उसे ............... सर्वनाम कहते हैं। [½]

2) किसी प्राणी, स्थान, वस्तु तथा भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्द .............. कहलाते हैं। [½]

3) जब कर्ता स्वयं कार्य का संपादन न कर किसी दूसरे को करने के लिए प्रेरित करे या करवाए उसे ................ क्रिया कहते हैं। [½]

4) ............ समास में पहला पद अव्यय होता है। [½]

5) जिन शब्दों का लिंग, वचन, कारक एवं काल के अनुसार रूप परिवर्तित नहीं होता .......... शब्द कहलाते हैं। [½]

6) ऐसे अव्यय शब्द जो क्रिया की विशेषता बतलाते हैं, उन्हे ........... कहते हैं। [½]

**प्र.3)** निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गये प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए : **[6 × ½ = 3]**

लोक गीतों की मूल बोली अथवा भाषा का पता लगाना कठिन ही नहीं, असंभव–सा है, क्योंकि लोकगीत लोक–जीवन से उत्पन्न होकर भाषा के प्रवाह में तैरते चलते हैं। मनुष्य के कंठ ही उनके घाट हैं। उपयुक्त कंठ पाकर कोई कहीं बसेरा ले लेता है। लोकगीतों पर उनके आसपास का ऐसा प्रभाव पड़ जाता है कि उनका मूल रूप कायम नहीं रहता। इससे जहाँ वे गाये जाने लगते हैं, वहाँ के बहुत – से शब्द, जो पर्यायवाची होते हैं, उनमें बैठ जाते हैं और उनके मूल शब्दों को स्थान च्युत कर देते हैं।

1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [½]

2) लोकगीतों की मूल बोली का पता लगाना कठिन क्यों है? [½]

3) लोकगीत कहाँ बसेरा ले लेते हैं? [½]

4) लोकगीतों पर उनके आस–पास का क्या प्रभाव पड़ता है? [½]

5) लोकगीत जहाँ गाए जाते हैं वहाँ की भाषा का उनपर क्या प्रभाव पड़ता है? [½]

6) 'संभव' शब्द का विपरीतार्थक शब्द गद्यांश में से छाँटकर लिखिए। [½]

प्र.4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गये प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए : **[6 × ½ = 3]**

आशा आलोकित करती
मेरे जीवन को प्रतिक्षण
हैं स्वर्ण – सूत्र से वलयित
मेरी असफलता के घन
सुख–भरे सुनहले बादल
रहते हैं मुझको घेरे;
विश्वास, प्रेम, साहस हैं
जीवन के साथी मेरे।

1) प्रस्तुत पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [½]

2) कवि के जीवन को प्रतिक्षण कौन आलोकित करता है? [½]

3) असफलता के घन किससे घिरे हैं? [½]

4) सुख–भरे बादल कैसे हैं? [½]

5) विश्वास, प्रेम और साहस क्या हैं? [½]

6) कवि को कौन घेरे रहता हे? [½]

## खण्ड – ब

**निर्देश : – निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए ।** [7 × 1 = 7]

प्र.5) ''हालदार साहब भावुक हैं । इतनी – सी बात पर उनकी आँखें भर आईं ।'' हालदार साहब की आँखे क्यों भर आई? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए । **[1]**

प्र.6) लेखिका के पिताजी की सबसे बड़ी दुर्बलता क्या थी? – 'एक कहानी यह भी' – पाठ के आधार पर समझाइये । **[1]**

प्र.7) 'फसल' कविता का मूलभाव लिखिए । **[1]**

प्र.8) 'हरि है राजनीति पढ़ि आए ।' – गोपियों ने ऐसा किस आधार पर कहा पठित पद्यांश के आधार पर समझाइए । **[1]**

प्र.9) लेखिका ने झरने को जीवन की अनन्तता का प्रतीक क्यों बताया है? 'साना–साना हाथ जोड़ि' – पाठ के आधार पर बताइए । **[1]**

प्र.10) भोलानाथ और उसके साथी क्या–क्या खेल खेलते थे? 'माता का अँचल' पाठ को आधार पर बताइए । **[1]**

प्र.11) 'आस्तीन का साँप होना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए । **[1]**

## खण्ड – स

प्र.12) निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए । **[4 × ½ = 2]**

ठाली बैठे कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है । नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे । संभव है, नवाब साहब ने बिलकुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफेद पोश उन्हें मँझले दर्जे में सफ़र करता देखे । ……… अकेले सफर का वक्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होंगे और अब किसी सफेद पोश के सामने खीरा कैसे खाएँ?

1) लेखक की क्या आदत थी? **[½]**

2) गाड़ी में बैठकर लेखक क्या अनुमान करने लगे? **[½]**

3) नवाब साहब ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा होगा? **[½]**

4) नवाब साहब को क्या गवारा न था? **[½]**

अथवा

शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरु कर दिया । सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम–से–कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ । नवाबी आदतें, अधूरी महत्त्वाकांक्षाएं, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती थरथराती रहती थीं । अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब–तब हम लोग भी उसकी चपटे में आते ही रहते ।

1) गिरती आर्थिक स्थिति का क्या परिणाम हुआ? **[½]**

2) पिताजी का अहं उन्हें किस बात की अनुमति नहीं देता था? **[½]**

3) माँ हमेशा काँपती थरथराती क्यों रहती थीं? **[½]**

4) पिता के स्वभाव को शक्की किसने बना दिया था? **[½]**

**प्र.13)** प्रस्तुत पठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[4 × ½ = 2]**

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि–धूसर तुम्हारे ये गात
छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण।

1) मृतक में भी कौन जान डाल देती है? **[½]**

2) बालक का धूलि–धूसर गात कैसा लग रहा है? **[½]**

3) कठिन पाषाण जल कब बन गया? **[½]**

4) उपर्युक्त पद्यांश में किसका चित्रण किया गया है? **[½]**

अथवा

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कही से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी–कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है।

1) तार सप्तक में जाने पर क्या होता है? **[½]**

2) मुख्य गायक को ढाँढ़स कौन बंधाता है? **[½]**

3) गायक का उत्साह कब अस्त होने लगता है? **[½]**

4) संगतकार मुख्य गायक का साथ क्यों देता है? **[½]**

**प्र.14)** जीवन के आरंभिक दिनों में बिस्मिल्ला खाँ को संगीत के प्रति आसक्ति कहाँ से मिली?

(उत्तर सीमा 50-60 शब्द) **[1½]**

अथवा

'सभ्यता' और 'संस्कृति' में क्या भेद है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर बताइए। (उत्तर सीमा 50-60 शब्द)

**प्र.15)** 'शिव–धनुष' के टूटने पर परशुराम की राम के प्रति क्या प्रतिक्रिया हुई, पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए। (उत्तर सीमा 50-60 शब्द) **[1½]**

अथवा

'उत्साह' कविता का मूल–भाव लिखिए। (उत्तर सीमा 50-60 शब्द)

## खण्ड – द

**प्र.16)** सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के कृतित्व एवम् व्यक्तित्व के बारे में लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) **[2]**

अथवा

'मन्नू भंडारी' के व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में लिखिए।

**प्र.17)** पिताजी 'तारकेश्वरनाथ' को भोलानाथ कहकर क्यों पुकारा करते थे? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइये। (उत्तर सीमा 60 शब्द) **[2]**

अथवा

''मैं क्यो लिखता हूँ?'' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने इस प्रश्न का क्या उत्तर दिया है?

**प्र.18)** निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए। **[3]**

1) बेरोजगारी : एक समस्या

   i) प्रस्तावना

   ii) बेरोजगारी क्या है?

   iii) बेरोजगारी के प्रमुख कारण व समस्याएँ

   iv) बेरोजगारी दूर करने के उपाय

   v) उपसंहार

2) मेरा, आदर्श व्यक्तित्व

i) प्रस्तावना

ii) आदर्श व्यक्ति का परिचय

iii) आदर्श होने के कारण

iv) व्यक्तित्व का मेरे जीवन पर प्रभाव

v) उपसंहार

3) कम्प्यूटर का महत्त्व

i) प्रस्तावना

ii) कम्प्यूटर का परिचय

iii) दैनिक जीवन में कम्प्यूटर की उपयोगिता

iv) कम्प्यूटर के बिना जीवन की कल्पना

v) उपसंहार

4) राष्ट्रनिर्माण में विद्यार्थियों का योगदान

i) प्रस्तावना

ii) विद्यार्थी जीवन और राष्ट्र प्रेम

iii) राष्ट्रनिर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका

iv) राष्ट्र विकास हेतु प्रयास

v) उपसंहार

प्र.19) स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किशनगंज का छात्र सौरभ मानते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य से 'कैरियर–सप्ताह, मनाए जाने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए। **[2]**

अथवा

स्वयं को कुभंलगढ़ निवासी राकेश मानते हुये राजकोट निवासी अपने मित्र प्रताप को समय की पाबंदी का महत्त्व बताते हुए एक पत्र लिखिए।

प्र.20) विद्यालय के समाजोपयोगी शिविर में मिट्टी से बनाई गई वस्तुओं की प्रदर्शनी देखने के लिए आने हेतु एक विज्ञापन लिखिए। **[2]**

अथवा

महिला गृह उद्योग समूह द्वारा निर्मित जूट के सामान की बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए।

DO NOT WRITE ANYTHING HERE